दैनिक जागरण
कानपुर, 6 अक्टूबर, 2021

सीएसए में निबंध प्रतियोगिता आयोजित

कानपुर फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता का आयोजन सीएसए प्रांगण में हुआ ● संस्थान

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मंगलवार को कानपुर फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड की ओर से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्नातक के छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को गुरुवार को पुरस्कृत किया जाएगा। यह आयोजन आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हुआ। कुलपति डा. डीआर सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. आरपी सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। (विवि.)

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:269 | देहरादून, मंगलवार, 05 अक्टूबर, 2021 | पृष्ठ:08

सरसों के बीज एवं पोषक रसोई बागवानी किट बांटी

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर/फतेहपुर: जनपद फतेहपुर मे पीली सरसो के क्षेत्र विस्तार हेतु एवं पोषण सुरक्षा हेतु माडल गाँवो मे वितरित किया गया सरसो बीज एवं पोषक रसोई बागवानी की किट चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डा० डी.आर. सिंह के निर्देशन मे जनपद फतेहपुर मे पीली सरसो का क्षेत्र बढाने के उद्देश्य से पीली सरसो की प्रजाति पीताम्बरी के प्रदर्शन आयोजित करने हेतु बीज वितरण माडल गाँव औंग, चितौली,

धमौली एवं कटोघन मे किया गया तथा वितरण के सरसो की खेती की तकनीकी जानकारी पर प्रशिक्षण डा० जितेन्द्र सिंह फसल वैज्ञानिक द्वारा दिया गया। पीताम्बरी प्रजाति पीली सरसो की प्रजाति है ये 110–115 दिन मे तैयार हो जाती है पूर्ण तकनीकी प्रबन्धन से सरसो की खेती करने पर 25–30 कुंतल हेक्टेयर उत्पादन होता है जनपद फतेहपुर मे सरसो की खेती और उत्पादन बढाने की प्रबल संभावनाएं है इसीलिये माडल गाँव औंग, धमौली, चितौली मे अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किये जा रहे है माडल गाँवो मे हर घर मे शुद्ध जैविक सब्जी, फल नित्य सुलभ हो सके डा० साधना वैश वरिष्ठ वैज्ञानिक, गृह वैज्ञानिक ने 'पोषक रसोई बागवानी' की किट का वितरण किया बीज वितरण के समय अमित श्रीवास्तव उपस्थित रहे बीज वितरण के साथ ही तकनीकी जानकारी भी दी गई।

दैनिक जागरण
कानपुर, 6 अक्टूबर, 2021

अलसी के तने से चार घंटे में निकल जाएंगे रेशे

जासं, कानपुर: सीएसए की तकनीक से अलसी के डंठल से कुछ ही घंटों में रेशे निकल आएंगे। अभी तक रेशे बनाने में सात से दस दिन का समय लगता था। शोध को अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित कराया गया है, जबकि तकनीक पेटेंट करा ली गई है। यह विश्वविद्यालय का पहला पेटेंट है। वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रो. रितु पांडेय ने रेशे को जल्दी बनाने के लिए एनजाइम, एथिलीन डायमिनेटेट्राएसेटिक एसिड, सेलुलोसिक जेल समेत कई तरह के जैविक पदार्थों का उपयोग किया। यह अलसी के डंठल को पानी में भिगोने के दौरान की जाती है।

वर्ष 15 अंक 274 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 06 अक्टूबर 2021

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

दैनिक नगर छाया आप की आवाज़..... WWW.nagarchhaya.com कानपुर

सीएसए में कृषक समिति की मासिक बैठक संपन्न

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस मासिक बैठक में सह निदेशक प्रसार डॉक्टर सुभाष चंद्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में समसामयिक फसलों के प्रबंधन एवं तकनीकी पर वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए गए।डॉक्टर संजीव कुमार सिंह ने सब्जी मटर एवं आलू उत्पादन तकनीक विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा सब्जी मटर में आजाद पी-3 प्रजाति अन्य से उत्तम है। साथ ही इस प्रजाति की सब्जी मटर का अन्य की अपेक्षा बाजार भाव अच्छा मिलता है।जिससे किसानों को लाभ होता है।इसके अतिरिक्त पादप विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ महक सिंह ने राई सरसों की फसलों उत्पादन तकनीक पर विस्तार से चर्चा की। रबी दलहनी फसलों के बारे में डॉक्टर अखिलेश मिश्रा ने चना, मटर, मसूर फसलों की बुवाई की तकनीक के बारे में विस्तार से किसानों को बताया।डॉक्टर यस बी पाल ने कृषि व्यवसाय प्रबंधन अंतर्गत बताया कि खेती के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन, बकरी पालन, मुर्गी पालन,मशरूम उत्पादन, वर्मी कंपोस्ट उत्पादन,मधुमक्खी पालन आदि कृषि व्यवसाय अपनाकर आर्थिक स्थिति में बदलाव संभव है। अंत में धन्यवाद ज्ञापन जगदीश नारायण वरिष्ठ सदस्य कृषक समिति ने दिया। इस अवसर पर कानपुर देहात, कानपुर नगर, फतेहपुर एवं उन्नाव जनपद के किसानों ने सहभागिता की।

Sign in to edit and save changes to this file.

जन एक्सप्रेस

/janexpresslive

लखनऊ, बुधवार, 06 अक्टूबर, 2021, वर्ष : 12, अंक : 348, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹3.00/-

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

पीली सरसो की प्रजाति पीताम्बरी का प्रदर्शन करने के लिए बीज वितरण

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देशन मे कृषि विज्ञान केंद्र थरयाओं मे पीली सरसो का क्षेत्र बढ़ाने के उद्देश्य से पीली सरसो की प्रजाति पीताम्बरी का प्रदर्शन करने के लिए बीज वितरण माडल गाँव औंग, चितौली, धमौली और कटोघन मे किया गया। तथा वितरण अवसर पर फसल वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र सिंह ने सरसो की खेती की तकनीकी जानकारी पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि पीताम्बरी प्रजाति पीली सरसो की प्रजाति है जो 110 से 115 दिन मे तैयार हो जाती है तथा पूर्ण तकनीकी प्रबन्धन से सरसो की खेती करने पर 25-30 कुंटल प्रति हेक्टेयर का उत्पादन होता है। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.साधना वैश ने पोषक रसोई बागवानी की किट का वितरण किया।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर ● बुधवार ● 6 अक्टूबर ● 2021

विवि कृषक समिति ने किया किसानों को जागरूक

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि से संवद्ध चन्द्रशेखर कृषक समिति की मंगलवार को हुई मासिक वैठक में किसानों को खेती-किसानी के विभिन्न पहलुओं पर जागरूक किया गया। सह निदेशक प्रसार डॉ.सुभाष चन्द्रा की अध्यक्षता में हुई वैठक में समसामयिक फसलों के प्रवंधन एवं तकनीक पर वैज्ञानिकों के व्याख्यान दिये।

डॉ.संजीव कुमार सिंह ने सव्जी मटर एवं आलू उत्पादन तकनीक की चर्चा की। उन्होंने मटर की आजाद पी-3 प्रजाति को अन्य से उत्तम वताया। पादप रोग विभागाध्यक्ष डॉ.महक सिंह ने राई-सरसों, डॉ.अखिलेश मिश्रा ने रवी दलहनी फसलों की वुवाई तकनीक की जानकारी दी। डॉ.एसवी पाल ने कृषि व्यवसाय प्रवंधन के अंतर्गत खेती के साथ दुग्ध उत्पादन, वकरी-मुर्गी पालन, मशरूम उत्पादन, वर्मी कंपोस्ट उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि के लिए किसान प्रतिभागियों को प्रेरित किया। वैठक में कानपुर नगर व देहात, फतेहपुर व उन्नाव के किसों ने सहभागिता की। कृषक समिति सदस्य जगदीश नारायण ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 6, अंक : 179 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, बुधवार
06 अक्टूबर, 2021
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

सपा का चुनावी शंखनाद: अखिलेश यादव निकालेंगे 12 अक्टूबर से विजय यात्रा, कानपुर से होगी शुरुआत...6

सीएसए में कृषक समिति की मासिक बैठक संपन्न

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में चंद्रशेखर कृषक समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस मासिक बैठक में सह निदेशक प्रसार डॉक्टर सुभाष चंद्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में समसामयिक फसलों के प्रबंधन एवं तकनीकी पर वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए गए ।डॉक्टर संजीव कुमार सिंह ने सब्जी मटर एवं आलू उत्पादन तकनीक विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा सब्जी मटर में आजाद पी-3 प्रजाति अन्य से उत्तम है। साथ ही इस प्रजाति की सब्जी मटर का अन्य की अपेक्षा बाजार भाव अच्छा मिलता है ।जिससे किसानों को लाभ होता है ।इसके अतिरिक्त पादप विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ महक सिंह ने राई सरसों की फसलों उत्पादन तकनीक पर विस्तार से चर्चा की। रबी दलहनी फसलों के बारे में डॉक्टर अखिलेश मिश्रा ने चना, मटर, मसूर फसलों की बुवाई की तकनीक के बारे में विस्तार से किसानों को बताया ।डॉक्टर यस बी पाल ने कृषि व्यवसाय प्रबंधन अंतर्गत बताया कि खेती के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन, बकरी पालन, मुर्गी पालन,मशरूम उत्पादन, वर्मी कंपोस्ट उत्पादन,मधुमक्खी पालन आदि कृषि व्यवसाय अपनाकर आर्थिक स्थिति में बदलाव संभव है। अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री जगदीश नारायण वरिष्ठ सदस्य कृषक समिति ने दिया। इस अवसर पर कानपुर देहात, कानपुर नगर, फतेहपुर एवं उन्नाव जनपद के किसानों ने सहभागिता की।

माडल गाँवों में सरसो बीज एवं पोषक रसोई बागवानी की किट

कानपुर। चद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय ,कानपुर के कुलपति डा डीआर सिंह के निर्देशन मे कृषि ज्ञिन केंद्र मे पीली सरसो का क्षेला बढ़ाने के उद्देश्य से पीली सरसो की प्रजाति पीताम्बरी के प्रदर्शन आयोजित करने हेतु बीज वितर माडल गाँव औंग, चितौली, धमौली एवं कटोजन मे किया गया। किसानों को सरसो की खेती की तकनीकी जानकारी डा0 जितेंद्र सिंह ने दी। पीताम्बरी प्रजाति पीली सरसो की प्रजाति है ये 110-115 दिन मे तैयार हो जाती है। जनपद मे सरसो की खेती और उत्पादन बढ़ाने की प्रबल संभावनाए है । इसीलिये माडल गाँव औंग ,धमौली, चितौली मे अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किये जा रहे है । ..

वर्ष 15 अंक 274 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 06 अक्टूबर 2021

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

पीली सरसो के क्षेत्र विस्तार हेतु एवं पोषण सुरक्षा हेतु ...

मॉडल गाँवों में वितरित किया सरसो बीज एवं पोषक रसोई बागवानी की किट

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय ,कानपुर के कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह जी के निर्देशन मे कृषि विज्ञान केंद्र थरयाओं मे पीली सरसो का क्षेत्र बढाने के उद्देश्य से पीली सरसो की प्रजाति पीताम्बरी के प्रदर्शन आयोजित करने हेतु बीज वितरण माडल गाँव औंग, चितौली, धर्मौली एवं कटोघन मे किया गया। तथा वितरण में सरसो की खेती की तकनीकी जानकारी पर प्रशिक्षण डा0 जितेन्द्र सिंह, फसल वैज्ञानिक द्वारा दिया गया। पीताम्बरी प्रजाति पीली सरसो की प्रजाति है ये 110-115 दिन मे तैयार हो जाती है । पूर्ण तकनीकी प्रबन्धन से सरसो की खेती करने पर 25-30 कु0 / हे0 उत्पादन होता है । जनपद मे सरसो की खेती और उत्पादन बढाने की प्रबल संभावनाए है । इसीलिये माडल गाँव औंग ,धर्मौली, चितौली मे अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित किये जा रहे है । माडल गाँवो मे हर घर मे शुद्ध जैविक सब्जी ,फल नित्य सुलभ हो सके डा0 साधना वैश वरिष्ठ वैज्ञानिक,गृह वैज्ञानिक ने पोषक रसोई बागवानी की किट का वितरण किया । बीज वितरण के समय श्री अनिल श्रीवास्तव जी उपस्थित रहे । बीज वितरण के साथ तकनीकी जानकारी दी गई ।